Smt Dr Tapali Mukerjee
Date – 19-05-2020
Associate Prof Music
R. M. College Srosam.

Study material for B.A. Part III Class
Paper 5th Theory.

Topic Rage Vibhas
Description of Rage Vibhas and Comper with Rage Bhairav.

राग विभास

"कोमल रिखब अरु धैवतहि
म-नि बिना उदास
वादी धरि सम्वादी रे
औड़व राग विभास॥"

राग विभास के उत्पत्ति भैरव थाट से माना गया है, इसकी जाति औड़व-औड़व है, इस राग में मध्यम तथा निषाद स्वर वर्जित है, वादी स्वर धैवत तथा सम्वादी स्वर रिषभ है। यह एक उत्तरांग प्रधान राग है, इस राग में पंचम और गांधार स्वर की प्रयोग में बारम्बार दिखाई जाती है, तार षड़ज में जाते समय गपधप(सां) मध्यम पूर्वांग में तथा निषाद स्वर उत्तरांग में वर्जित होने से भैरव राग से पृथक दिखता है, रिषभ तथा धैवत स्वर कोमल प्रयोग होता है, राग को गायन का समय रात्रि के प्रथम प्रहर है,

(Comparision) तुलना

विभास	भैरव
1. राग विभास का उत्पत्ति भैरव थाट से हुई है.	भैरव आपने आप एक थाट है,
2. विभास का जाति औड़व-औड़व है,	राग भैरव का जाति सम्पूर्ण है,
3. विभास राग का गायन समय रात्रि का प्रथम प्रहर है,	राग भैरव का गायन समय रात्रि के अन्तिम प्रहर में है अर्थात् इसे प्रातःकालीन सन्धि प्रकाश राग माना जाता है,

Scanned with CamScanner

(4) राग विभास का वादी धैवत तथा सम्वादी रिषभ है,	भैरव का भी वादी धैवत तथा सम्वादी रिषभ है।
(5) राग विभास में धप, गपगरेसा सारे गप गरेसा स्वर समूह की संगती से राग रूप स्पष्ट होता है।	राग भैरव में धप मगरेरे सा स्वर समुदाय से राग रूप स्पष्ट होता है।

Dr Tapati Mukherjee
Associate Professor

Study material for B. A Part I (Hons) Theory + Practical
राग — दरबारी कानाडा (बड़ा ख्याल या विलम्बित)

स्वरलिपि

1	2	3	4	5 खाली	6	7	8	9	10	11	12
										गमरेसा	धनिसारें
										तऽडतत	जिया मोऽ

गमगमक रेरेसासा ध़नि़ – रे... ग – मरे प ... धधधनिप... ग–म–रे–सा—
रंऽ ऽऽऽ ऽ ऽऽऽऽ सऽजऽना ––– पिऽऽऽ याऽऽऽ बिऽऽऽ नाऽऽऽ निऽशाऽ बिऽनऽ

अन्तरा ·

मऽपऽधनिसरें –
जिऽऽऽ सोऽ गई

रेरेरेरे सासासासा गं – मं रेंरेंरेंरें धध – ध – प ––– ग – म म ––– रे –– रे सासानिप
ताऽऽऽ जोऽऽऽ उऽऽऽ नऽऽऽ बिऽऽऽ नाऽऽऽ बिऽऽऽ शाऽऽऽ बिऽऽऽ नऽऽऽ

स्वरविस्तार ।

1/ तऽडतत जियामोऽ राऽऽऽ ऽऽऽऽ धऽनिऽ धनिसाऽ रेरेसाधपमपऽ गमरेसा गमरेसा गमरेसा गमरेसा

2 ॥ ॥ ॥ ॥ मऽपऽ धनिधपऽ मपनिऽ धऽनिऽ पऽऽऽ मपधनिपग मपधनिपग मपधनिपग